03042

DIPLOMA IN PRIMARY EDUCATION (DPE)

Term-End Examination

June, 2011

ES-221 : UNDERSTANDING THE PRIMARY SCHOOL CHILD

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *(i) All questions are* ***compulsory.***

(ii) All questions carry ***equal*** *weightage.*

Answer the following questions in about ***600*** words.

1. Discuss the role of parents in social and emotional development of a child.

OR

Discuss the factors that affect the physiological and psychological needs of a child. Explain the role of a teacher to fulfil these needs of a child.

2. Discuss the various aspects of cognitive development of a Primary School Child.

OR

Describe the early stages of language development of a child. State their importance for later stage of language development.

3. Answer ***any four*** of the following questions in about ***150*** words each.

(a) Explain the types of play and their role in the development of a child.

(b) What is gender discrimination ? Explain the role of a teacher in promoting gender equality.

(c) What is meant by an integrated personality ? Explain briefly its characteristics.

(d) Explain how physical and psychological factors influence the personality development of a child ?

(e) Explain the factors responsible for child marriage.

4. Answer the following question in about ***600*** words.

You must have observed some children in your school in general and in your class in particular who are not coming to school regularly and do not complete the home work and also do not participate in co-curricular activities. Write a report highlighting the reasons for such a state of affair. What steps will you take as a teacher to help those children ?

ई.एस.-221

प्राथमिक शिक्षा में डिप्लोमा (डी.पी.ई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2011

ई.एस.-221 : प्राथमिक विद्यालयी बालक को समझना

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 70%*

नोट : *(i) सभी प्रश्नों को करना **अनिवार्य** है।*

*(ii) सभी प्रश्नों की **भारिता समान** है।*

निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर (प्रत्येक) लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए।

1. बालक के सामाजिक और संवेगात्मक विकास में अभिभावकों की भूमिका की चर्चा कीजिए।

अथवा

एक बालक की शरीर क्रियात्मक और मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं को प्रभावित करनेवाले कारकों की चर्चा कीजिए। बालक की इन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक अध्यापक की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

2. प्राथमिक विद्यालय के बालक के संज्ञानात्मक विकास के विभिन्न पहलुओं की चर्चा कीजिए।

अथवा

बालक के भाषायी विकास की प्रारंभिक अवस्थाओं का वर्णन कीजिए। भाषायी विकास की उत्तर-अवस्था (later stage) के लिए उनका महत्त्व बताइए।

3. निम्नलिखित में से ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग ***150*** शब्दों में।) दीजिए।

   (a) बालक के विकास में क्रीड़ा (खेलकूद) के प्रकारों और उनके महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

   (b) जेंडर भेदभाव क्या है? जेंडर समानता का संवर्धन करने में एक अध्यापक की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

   (c) एक सुसमन्वित (Well integrated) व्यक्तित्व का क्या अर्थ है? इसकी विशेषताओं को संक्षेप मे स्पष्ट कीजिए।

   (d) एक बालक के व्यक्तित्व-विकास को शारीरिक और मनोवैज्ञानिक कारक किस प्रकार प्रभावित करते हैं? स्पष्ट कीजिए।

   (e) बाल विवाह के लिए उत्तरदायी कारकों को स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग ***600*** शब्दों में दीजिए।

   आपने अपने विद्यालय में कुछ बालक सामान्य तौर पर और अपनी कक्षा में विशेष तौर पर देखे होंगे जो नियमित रूप से विद्यालय में नहीं आ रहे हैं और गृह कार्य (home work) भी पूरा नहीं करते हैं तथा सहपाठ्यचारी क्रियाकलापों (Co-curricular activities)में भी भाग नहीं लेते। इस स्थिति के कारणों पर प्रकाश डालते हुए एक रिपोर्ट लिखिए। इन बालकों की सहायता करने के लिए आप एक अध्यापक के रूप में क्या कदम उठाएँगे?